दबंग गर्ल और दोस्त की खोज

MRP: ₹70

DEEPER LEARNING COMICS
an initiative of DLIPL

ISSUE 04-eHI

KNOWLEDGE PARTNER
SATYARTHI
KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

DABUNG GIRL

एक दिन अंतरिक्ष से आये कुछ अजनबी भारत की मशहूर वैज्ञानिक को उठा ले गए... अनजाने में वो उनकी दोनों बेटियों (तारा और माया) को भी ले गए... कोई नहीं जानता क्यों!
इस घटना के तीन साल बाद, एक रात आसमान में एक अलग तरह की रोशनी देखी गयी...
उसी रात एक दूसरी दुनिया का विमान, उस वैज्ञानिक की दोनों बेटियों को उनके पिताजी के पास तड़कापुर में वापस ले आता है... लेकिन उस वैज्ञानिक का आज भी कोई अता-पता नहीं है...
तड़कापुर
तारा और माया दोनों महाशक्तियों के साथ वापस आयीं हैं। माया शहर चली जाती है, जबकि तारा तड़कापुर में ही रहती है और बन जाती है दबंग गर्ल...

आपके पसंदीदा दोस्त!

मिलिए दबंग गर्ल से, एक सुपरहीरो, जो अपने दोस्तों की मदद के लिए हमेशा तैयार है

शक्ति #1 - नैनो खिंचाव

अपने शरीर को लम्बा करके
वो तुरंत दूर-दूर तक पहुँच सकती है

शक्ति #2 - सुपर न्यूरॉन्स

वो अपने दिल और दिमाग दोनों को 100%
क्षमता पे इस्तेमाल कर सकती है

तारा - एक समझदार लड़की, जो असल में दबंग गर्ल है

मुस्कान - एक हंसमुख लड़की, जिसे सवाल करना बहुत पसंद है

चिंटू - एक भावुक लड़का, जिसे शायरी करना पसंद है

नैना - एक हरफन मौला लड़की, जो गणित और खेल में सबसे आगे है

दबंग गर्ल और दोस्त की खोज
तड़कापुर पुलिस स्टेशन
तड़कापुर थाने में...
अरे मुंगेरी लाल, आज कल ज़्यादा बच्चे नहीं दिख रहे हैं बाहर खेलते हुए...
फिरारी लाल सर, सब गए होंगे शहर घूमने

बच्चे क्लास में...
स्कूल की घंटी बजती है
टन! टन! टन!
बातूनी चिंटू क्यों बैठा है आज उदास, क्या कोई वजह है ख़ास?
चिंटू रोने लगता है...
वो मेरी दीदी सीमा, 6 महीने से घर नहीं आयी ना!
6 महीने से?

दीदी घर छोड़ कर, हमें छोड़ कर, रॉकी के साथ चली गयी
रॉकी? वही जो स्कूल के चक्कर लगाता रहता है?...पर क्यों?
रॉकी ने दीदी से झूठा वादा किया...
पर स्कूल जा कर क्या होगा? शहर में नौकरी होगी, पैसा होगा, घर होगा, सब अच्छा होगा!
...लेकिन मेरा परिवार और दोस्त तो यहीं हैं... और स्कूल भी
पर दीदी तो अभी सिर्फ 13 साल की ही है!
वही तो! कल दीदी का फ़ोन आया था, हाल उसने अपना बुरा बताया था...
06

...किसी और के यहाँ छोड़ गया है उसे रॉकी, रोना उसे बहुत आया था...
कुछ और बोलने के पहले ही उसका फ़ोन बंद हो गया था
लगता है रॉकी ने दीदी को बहलाया-फुसलाया, झूठा सपना दिखाया
हाँ, कुछ लोग बच्चों से मीठी-मीठी बातें करके, उन्हे गुमराह करके शहर ले जाते हैं!
OUR VEGETABLES
पर चिंटू, तुमने अब तक कुछ किया क्यों नहीं?
मैं करता भी तो क्या करता!

बिना बताए चली गयी दीदी, पिताजी नाराज़ हैं इसलिए... और माँ ने भी रो-रो के, न जाने कितने आँसू बहा दिए
हम चलकर आंटी-अंकल को समझाते हैं, कोई हल निकालते हैं
सत्या अंकल को भी यह बात बताते हैं, जल्दी ही सीमा दीदी को घर वापस लाते हैं

बच्चे सत्या अंकल के ऑफिस में...
चिंटू की दीदी 6 महीने से घर नहीं आई
अरे! हमें तुरंत कुछ करना चाहिये... किसी ने पुलिस मे शिकायत दर्ज की?
नहीं, पापा किसी की नहीं सुन रहे, दीदी से बहुत नाराज़ हैं
क्या कोई और शिकायत दर्ज कर सकता है?
हाँ, ऐसे मामले में जिसे भी घटना के बारे में जानकारी हो, वो शिकायत कर सकता है

हम बच्चे भी कर सकते हैं?
हाँ, बिल्कुल!
पर क्या शहर के पुलिस थाने जाना पड़ेगा?
नहीं, किसी भी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की जा सकती है...
यहाँ तक की कोई भी बच्चा या बड़ा, **बच्चों की हेल्पलाइन 1098 या 100** पर कॉल करके बता सकता है... मदद मिलती है वहाँ से भी*
मैं अपनी बहन को ढूंढने शहर जाऊँगा!
*बचपन बचाओ आंदोलन की शिकायत सेल 1800-102-7222 पर भी कॉल कर सकते हैं

नहीं बेटे... अकेले जाना बहुत खतरनाक है...
मैं तुम्हारे माता-पिता से जा के बात करता हूँ
तारा अकेले में सोचते हुए...
यह मामला काफी गंभीर है... यहाँ दबंग गर्ल की ज़रूरत पड़ेगी!
अगर कुछ गड़बड़ हुई तो वो संभाल लेगी

जब मुश्किल हो घड़ी,
दबंग गर्ल है दोस्तों के साथ खड़ी!
फ़्लूश!

आई रे, आई रे,
दबंग गर्ल आई रे!

सीमा और चिंटू के घर पे...
दबंग गर्ल, अच्छा किया तुम भी आ गईं
तारा ने मुझे सारी बात बताई...
क्या आपने रॉकी के खिलाफ एफ आई आर (FIR)* लिखवायी?
*एफ आई आर - पुलिस द्वारा तैयार लिखित दस्तावेज जब उन्हें पहली बार अपराध के बारे में जानकारी मिलती है
हमने सोचा पुलिस क्यों सुनेगी हमारी अर्ज़ी... इसमें तो सीमा की ही थी मर्ज़ी...
अरे गैर कानूनी है बच्चों को बहलाना-फुसलाना, भगा कर ले जाना... पुलिस इसमें हमारी पूरी मदद करेगी

पर लोग क्या कहेंगे!
मुझे बस अपनी बेटी वापस चाहिए... लोगों का क्या! चलो थाने!
तो क्या मुझे अपनी बेटी वापस नहीं चाहिए? मुझे भी मेरी बिटिया बहुत प्यारी है!.. चलो चलते हैं
अगर सीमा का कोई पहचान पत्र और फोटो है तो वो भी ले लो... थाने में रिपोर्ट लिखवाने में मदद मिलेगी

सब लोग थाने पहुँचते हैं...
थाने में एक साथ इतने लोग... मेरे यहाँ आज ये कैसा योग!
सीमा दीदी की कहानी है...
रॉकी 6 महीने पहले उन्हें बहला कर भगा ले गया, इस बात की हमें एफ आई आर (FIR) लिखवानी है...
और आप अब आ रहे हो? आपको बता दूँ, इन मामलों में करोगे जितनी देर, मुश्किलें आयेंगी उतनी ही ढेर
सावधान
रॉकी का नाम तो बदनाम है, उसके जैसे लोगों का यही काम है
रॉकी
कितने लोग तो आते ही नहीं, अपने बच्चों को कभी ढूंढ पाते ही नहीं

मैं तुरंत एफ आई आर (FIR) दर्ज करता हूँ...
क्या जाते हुए सीमा ने कोई संकेत दिया कि रॉकी उसे कहाँ ले जा रहा है?
बस एक फ़ोन आया था, पर कहाँ है यह नहीं बताया था... सिसकियाँ भर रही थी मेरी प्यारी बिटिया, पीछे से गाड़ियों का शोर आ रहा था
वो मोबाइल नंबर तो बताओ, मैं पता करवाता हूँ किसका है... और देखता हूँ कि क्या रॉकी का जानने वाला है कोई गाँव में?
मैंने रॉकी के दोस्त साम्बा को कल देखा था
चलो फिर साम्बा की खबर लेने

उस शाम, साम्बा के घर के बाहर...
अरे ओ साम्बा, सुना है रॉकी तेरा दोस्त है?
हम जैसे बदमाशों का काल, ये तो है फिरारी लाल!!!
साम्बा घबरा के भागता है...
अरे भागो!
पुलिस और दबंग गर्ल से कहाँ तक भागोगे साम्बा!

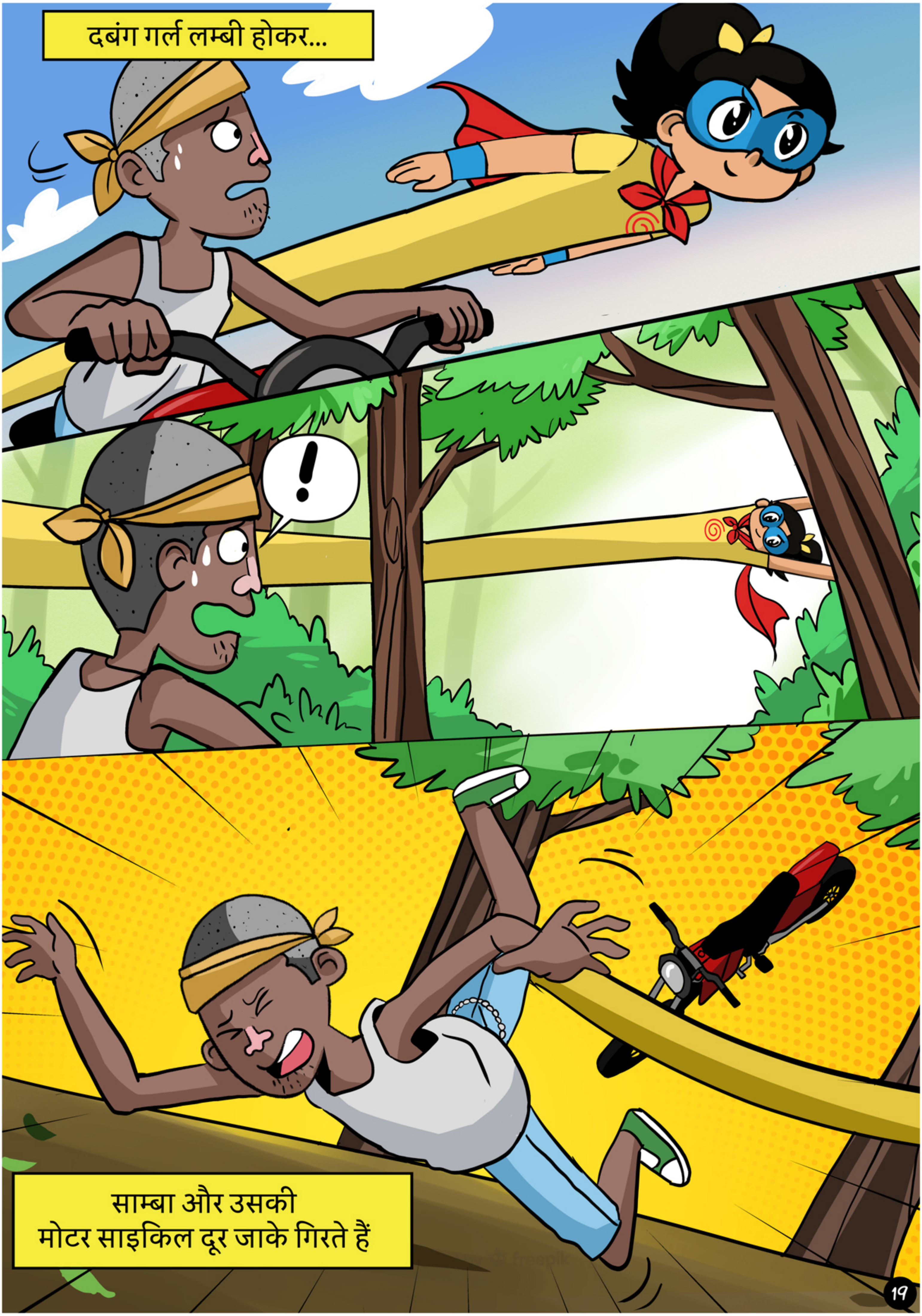
दबंग गर्ल लम्बी होकर...
!
साम्बा और उसकी
मोटर साइकिल दूर जाके गिरते हैं

तो बोलो साम्बा, रॉकी कहाँ ले गया है सीमा को ?
अरे सर जी, मुझे कुछ नहीं पता
तुम ऐसे नहीं बोलोगे... ले चलते हैं तुम्हे हवालात, तब बनेगी बात
अरे... लेकिन... मैंने कुछ नहीं किया...बस इतना ही पता है, रॉकी कुछ बच्चों को नीरगंज ले गया है...
मै अभी नीरगंज के थाने फ़ोन घुमाता हूँ, सीमा को ढूँढने आ रहे हैं बताता हूँ

सीमा राक्षसों के चंगुल में चिल्ला रही है... दबंग गर्ल सीमा को बचाने पहुँचती है
मुझे बचा लो!!!
दबंग गर्ल अपनी सारी ताकत लगाती है, पर हार जाती है...
तभी तारा घबरा के उठती है...
कितना भयानक सपना था... लगता है यहाँ ताकत से ज़्यादा समझ की ज़रूरत है...
सबको साथ लेके ही इसका हल निकलेगा

दबंग गर्ल सबके साथ शहर की तरफ निकल पड़ती है...

अगले दिन शहर के पुलिस थाने में...
अरे फिरारी, ना जाने कितने बच्चे खो गए हैं अब तक... कैसे ढूंढेंगे इन सबको?
चन्द्रिका, माना की चुनौती बड़ी है, पर है तो हमारी ज़िम्मेदारी
साम्बा ने हवालात के डर से बहुत कुछ उगल दिया... रेड मारने के लिए, हमें रॉकी का शहर वाला पता दिया...
अच्छा, पर ऐसे मामले संजीदा होते हैं... पहले रेकी करनी होगी, आने-जाने के सारे रास्तों पे नज़र रखनी होगी
संभल के! कहीं उसे भनक लग गयी तो वो भाग जाएगा, फिर हमारे हाथ जल्दी नहीं आएगा...

*रेकी - टीम को भेजकर संदिग्ध अपराधियों और उनके ठिकाने के बारे में जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया
मैं रेकी करने में मदद कर सकती हूँ *
बाल सुरक्षा से जुड़े और अधिकारियों को भी बताते हैं और साथ मिलके रेस्क्यू टीम बनाते हैं
हाँ, और यहाँ की बाल कल्याण समिति को भी बताते हैं... न जाने कितने और बच्चे उसका शिकार हुए होंगे

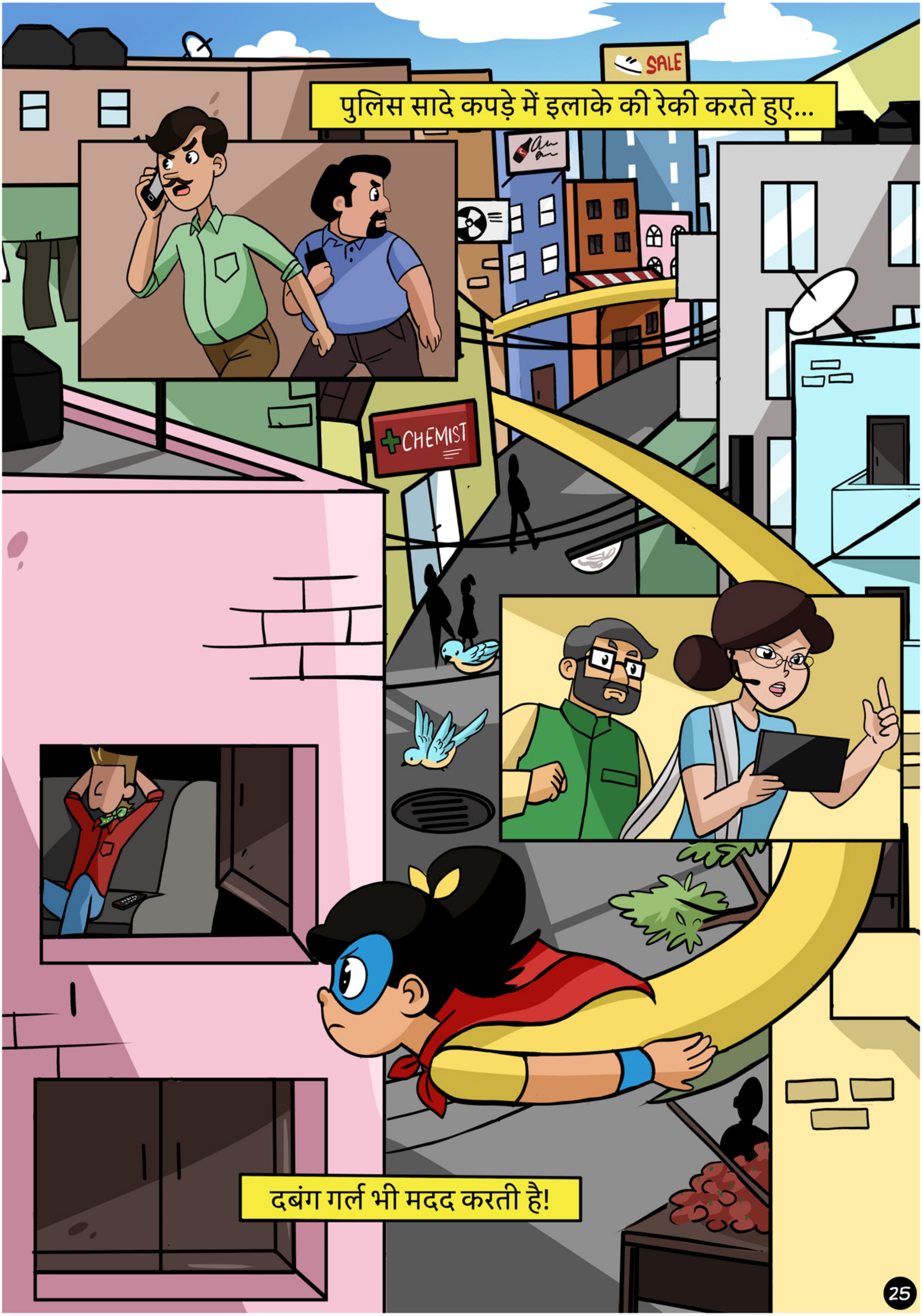
पुलिस सादे कपड़े में इलाके की रेकी करते हुए...
SALE
CHEMIST
दबंग गर्ल भी मदद करती है!

दबंग गर्ल,
कुछ दिखा?
रॉकी अंदर ही है... सावधानी से घर में घुसने की तैयारी करें
थप! थप! थप!
प्लेसमेंट एजेंसी
दरवाज़ा खोलो!
अंदर से कुछ गिरने की आवाज़ आती है...
टन
धाड़
थप

रॉकी पीछे के दरवाज़े से भागता है...
पर वहाँ भी पुलिस मौजूद है
रॉकी किनारे से भागने की कोशिश करता है...

पर दबंग गर्ल से
कहाँ बच पायेगा रॉकी!
मुझे माफ़ कर
दो दबंग गर्ल!
तुम्हारा इन्साफ तो
अब कानून करेगा!
पुलिस रॉकी को पकड़ लेती है...

रेस्क्यू टीम ठिकाने के अंदर पहुँचती है...
वहां कुछ बच्चे हैं, पर सीमा नहीं है!

अब इन बच्चों का क्या होगा?
इन्हे पहले चाइल्ड केयर इंस्टिट्यूट में ले जाके खाना खिलाएंगे, फिर बयान लेके माता-पिता से मिलवाएंगे... देखना कैसे सबके चेहरे खिल जाएंगे!

रॉकी, सीमा कहाँ है?
कौन सीमा, कैसी सीमा? मुझे कुछ नहीं पता!

क्या तुम्हें पता है सीमा कहाँ है?
वो तो ज़ालिम सिंह के यहाँ काम करती है
हमें तुरंत वहाँ जाना चाहिए

तभी फिरारी लाल बाहर देखते हुए चिल्लाता है
यहाँ तीन लोग और हैं जो गाड़ी में भाग रहे हैं!

तूफ़ान की रफ़्तार से पीछा करते हुए...
चंद्रिका जी, यह कच्चा रास्ता लीजिये, यह छोटा है
लेकिन इस रास्ते पे आगे का पुल टूटा है
वो मैं संभाल लूंगी!

दबंग गर्ल लम्बी होकर...
जीप को उठा कर,
नदी के उस पार ले जाती है

अब पकड़ ही लेंगे!
!
कानून और दबंग गर्ल, दोनों के हाथ बहुत लंबे हैं! चलो अब जेल में तुम लोग
अब हमें जल्दी ज़ालिम सिंह के घर पहुँचना चाहिए

रेस्क्यू टीम ज़ालिम सिंह के घर के अंदर...
अरे तुम लोग यहाँ क्यों आये हो!
तुम्हें पता है ना बच्चों से काम करवाना गैर कानूनी है...
सीमा कहाँ है?
सीमा? यहाँ कोई सीमा नहीं है
दबंग गर्ल लम्बी हो कर...

सीमा ऊपर के कमरे में है... वो बहुत दुखी और कमज़ोर दिख रही है...
सीमा को बचाने के लिए आधी रेस्क्यू टीम ऊपर भागती है
ज़ालिम सिंह बाहर की तरफ भागता है
मैं ज़ालिम सिंह को नहीं छोड़ूंगी!

दबंग गर्ल लंबी होकर टंगड़ी फसाती है!

सीमा पल भर के लिए खुश होती है...
पर फिर सिसक-सिसक के रोने लगती है
दीदी! तुम कैसी हो? बस जल्दी से घर चलो!
रॉकी ने मुझसे झूठ बोला और यहाँ काम पे लगा दिया... मुझसे यहाँ दिन-रात काम कराते थे, कुछ खाने को नहीं देते थे, और हर छोटी सी गलती पर मारते भी थे
मैं किस मुँह से घर जाऊँ...

मेरी शेरनी बेटी कभी ऐसा ना सोचना... घर चलके, फिर एक शुरुआत करना
सीमा भाग के अपने पिताजी के गले लग जाती है

बेटी, तुम चिंता मत करो, इन सबको सख़्त से सख़्त सज़ा दिलवाना मेरी ज़िम्मेदारी, क्योंकि मैं हूँ इंस्पेक्टर फिरारी...
ग्राम सभा को भी कहेंगे वो आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर नज़र रखें ताकि कोई भी बच्चा गाँव से अग़वा नहीं हो पाए

कुछ दिन बाद...
कोर्ट
सीमा की गवाही से रॉकी और ज़ालिम को सज़ा मिलती है!

एक सुन्दर से रविवार के दिन...
दोस्तों मुझे बचाने के लिए धन्यवाद!
हम ऐसा और किसी के साथ नहीं होने देंगे...
पर हम कर भी क्या सकते हैं?
हमें एक दूसरे का साथ देना होगा!
क्यों ना हम बच्चों की भी एक पंचायत बनाये गांव में!

बाल दुर्व्यापार (ट्रैफिकिंग) क्या है?

बाल दुर्व्यापार गुलामी के उद्देश्य से बच्चों को गैरकानूनी तरीके से खरीदने, बेचने, और शोषण करने का काम है। यह बच्चे के अधिकारों का उल्लंघन है और दुनिया के हर हिस्से में, शहरों में, कस्बों में और यहाँ तक कि गाँवों में भी होता है। ऐसा किसी भी उम्र और लिंग के बच्चे के साथ हो सकता है। बल, हिंसा, धोखाधड़ी और जबरदस्ती से बच्चों का अवैध रूप से शोषण किया जाता है। गरीब परिवारों के बच्चे सबसे ज़्यादा खतरे में होते हैं। वे बाल दुर्व्यापार के अपराध नेटवर्क के प्रमुख लक्ष्य बन जाते हैं।

बच्चों का अवैध व्यापार क्यों होता है?

बच्चों का दुर्व्यापार ज्यादातर कारखानों, खेतों, और निर्माण इमारतों में काम करने, घरों के अंदर नौकरों/नौकरानियों के रूप में काम करने, या उनके अंगों को बेचने के लिए किया जाता है। बाल दुर्व्यापार बाल विवाह, यौन शोषण, भिखारी बनाने, बच्चों से लोगों की जेब कटवाने, चोरी करवाने, ड्रग्स बिकवाने आदि के अपराध करने के लिए भी होता है।

मौजूदा महामारी की स्थिति में, कई परिवारों ने नौकरियाँ खोई हैं और सुरक्षा का नुकसान हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप लॉकडाउन खत्म होने के बाद बाल दुर्व्यापार बढ़ने की संभावना है। ऐसे समय में सभी को और भी ज़्यादा सतर्क रहने की ज़रुरत है|

भारत में बाल दुर्व्यापार से संबंधित कानून कौन-कौन से हैं?

- भारतीय दंड संहिता, 1860
-अनैतिक यातायात (निवारण) अधिनियम, 1956
- बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006
- लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012
- किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015
-बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976
-बालक और किशोर श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986
-मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994

यदि आप किसी ऐसे बच्चे से मिलते हैं, जिसका अवैध व्यापार हुआ है, तो आप क्या कर सकते हैं?

बाल दुर्व्यापार की किसी भी घटना की शिकायत निम्नलिखित स्थानों पर दर्ज कर सकते हैं-

- पुलिस स्टेशन (100 पर कॉल करें)
- चाइल्ड लाइन (1098 पर कॉल करें)
- बचपन बचाओ आंदोलन के शिकायत सेल (1800-102-7222 पर कॉल करें)

बच्चों के मन की बात

हेलो दोस्तों... क़वूम!!!

वो कहते हैं ना, "कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों"... इस संस्करण में सबने समय रहते कदम उठा के सीमा को बचा लिया, और जो काम चिंटू और उसके परिवार को नामुमकिन लग रहा था, वह काम सूझ-बूझ, जागरुकता, और पुलिस की मदद से हो गया| इसलिए याद रखें, कि नामुमकिन कुछ भी नहीं| पुलिस और कानून ने बहुत सारे बच्चों को ऐसी मुश्किल परिस्थितियों से बचाया है, और वह हमेशा हमारी सहायता के लिए मौजूद हैं|

दोस्तों, ऐसी घटना सिर्फ लड़कियों के साथ ही नहीं, किसी भी बच्चे के साथ हो सकती है| पर हम थोड़ी सी सावधानी से इससे बच सकते हैं:

- दूसरों के दिखाए बड़े-बड़े सुनहरे सपनों में ना फसें
- अगर कोई बहला के, या धमका के, ले जाना चाहे तो उसके बारे में तुरंत किसी विश्वसनीय घर वाले या पुलिस को बताएं
- याद रखें कि कानून बच्चों की रक्षा के लिए बना है, इसलिए रिपोर्ट लिखाने से डरें नहीं
- अगर आपका कोई जानने वाला दोस्त गायब हुआ है, तो तुरंत शिकायत दर्ज करें

ये तो हुई काम की बातें। अब बताओ कि कोरोना के समय में सब सुरक्षा के पूरे कदम उठा रहे हो ना? याद रहे, हम सब को सावधान रहना है! अच्छा अब मैं चलती हूँ... भूख लगी है! सोच रही हूँ आज लस्सी पियूँ!

जल्दी ही मिलेंगे फिर से, तब तक के लिए सायोनारा!

बहुत सारा प्यार,
दबंग गर्ल

रंग भरें

मुझे अलग-अलग रंग के कपड़े पहनने बहुत पसंद हैं| क्या आप मुझे सुझाव दे सकते हो मेरे कपड़ों के लिए नए रंगों का?

लेखक: सौरभ अग्रवाल और अभिषेक सिंह

संपादक टीम: कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन

चित्रकार: मोना सिंह

डिजाइन परिष्करण: अभिश्री मित्तल

कुछ विशेष लोगों को धन्यवाद:
नेहा अग्रवाल, अपाला चव्हाण, पूजा शर्मा,
अभिश्रेय मित्तल, रुचि हजेला, अनुराग सक्सेना,
आनंद प्रकाश सिंह, अनंत सिंह, रोहित पांडे, एन इपेन,
नीलम पोल, रीता अग्रवाल, विपुल सहगल,
कमलाकांत पाठक, अभिषेक मित्तल, सारा बेनबदल्लाह,
ओरेन इप्प, फिओना हेज़ेल, जोनाह फिशर,
डेनियल मोसेस, अशरफ घंडौर

अस्वीकरण:
इस पुस्तक की कहानी एक काल्पनिक रचना है। इस कहानी के सभी पात्र, उनके नाम और घटनाए काल्पनिक है, इसका किसी भी व्यक्ति या घटना से कोई संबंध नहीं है। यदि किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से समानता पाई जाती है तो ये मात्र एक संयोग होगा।

यह पुस्तक यौन शोषण की घटनाओं से निपटने के लिए किसी विशेषज्ञ दिशा-निर्देश / सलाह को स्थानापन्न करने या उनके नतीजों से निपटने के उद्देश्य से नहीं है। यौन शोषण से संबंधित मामलों में प्रासंगिक कानून अधिकारियों और स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदाताओं से परामर्श करना चाहिए।

डीपर लर्निंग इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित।
Copyright © 2020 Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. All Rights Reserved.
No part of this book may be used or reproduced in any manner whatsoever without written permission.
इस पुस्तक का कोई भी भाग, बिना लिखित अनुमति के, किसी भी तरह से उपयोग या पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

अपने प्रश्नों और टिप्पणियों को मेल करें:
reach@DabungGirl.com

वेबसाइट: https://DabungGirl.com

SATYARTHI

KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

कैलाश सत्यार्थी

श्री कैलाश सत्यार्थी दुनिया के जानेमाने बाल अधिकार कार्यकर्ता हैं। वह चार दशकों से बच्चों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बच्चों को जबरिया बाल मजदूरी, गुलामी, ट्रैफिकिंग, यौन शोषण और हिंसा से बचाने के लिए वह 140 देशों में काम करते हैं। बच्चों की खुशहाली, शांति, सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा के अधिकारों को बनाए रखने और बाल शोषण के खिलाफ दुनिया भर के आंदोलनों के अलावा वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के मुद्दों को केंद्र में लाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्री सत्यार्थी को भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गरीब, वंचित और उपेक्षित बच्चों के अधिकारों के संघर्ष के लिए साल 2014 में दुनिया के सबसे बड़े नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

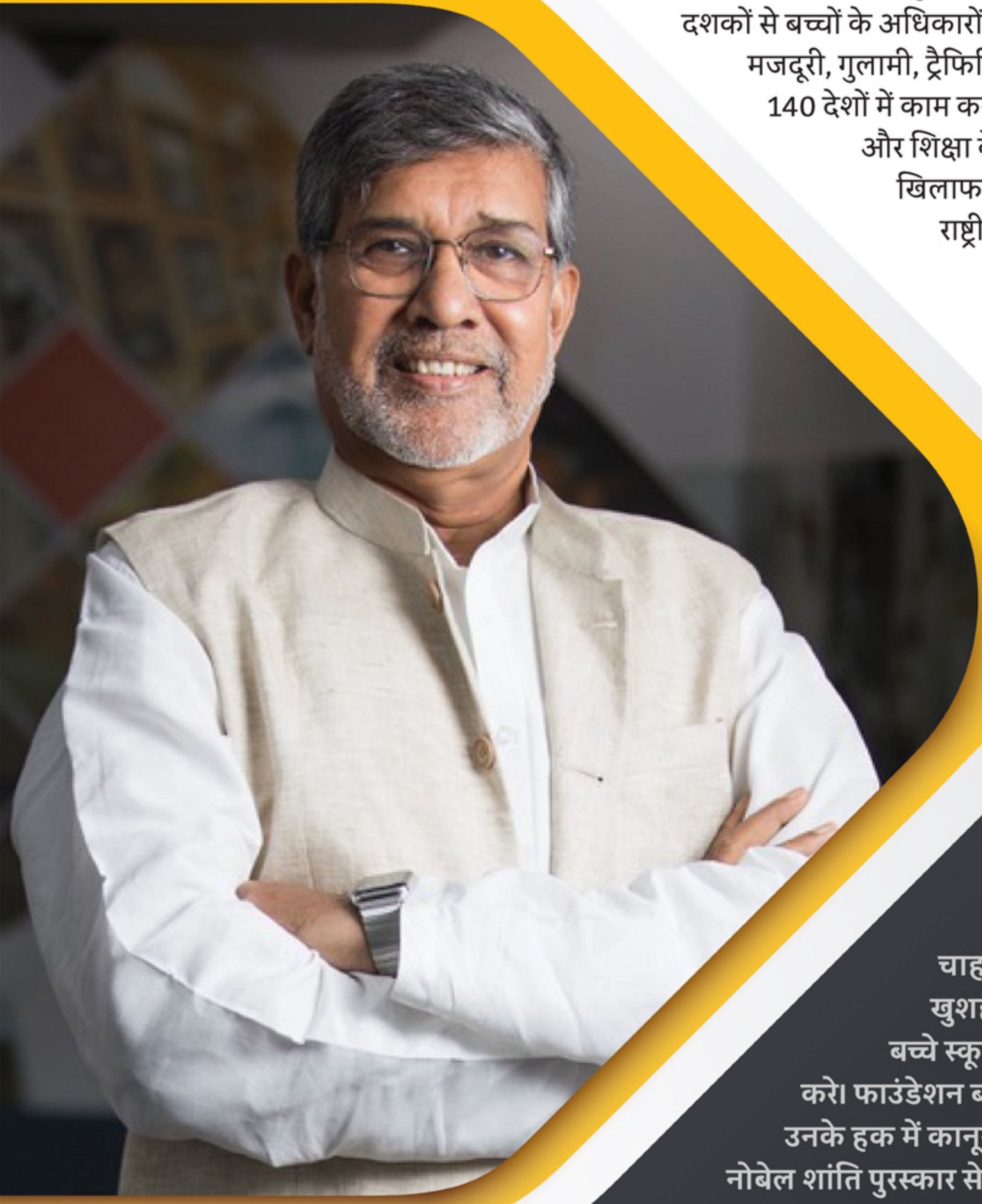

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन दुनियाभर के बच्चों के अधिकारों के लिए काम करता है। वह एक ऐसी दुनिया बनाना चाहता है जहां सभी बच्चों का बचपन आजाद और खुशहाल हो। किसी भी बच्चे का शोषण न हो। सभी बच्चे स्कूल में पढ़ाई करें। कोई भी बच्चा बाल मजदूरी न करे। फाउंडेशन बच्चों के शोषण के खिलाफ आंदोलन चला कर उनके हक में कानून और नीतियां भी बनवाता है। इसकी स्थापना नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित जानेमाने बाल अधिकार कार्यकर्ता श्री कैलाश सत्यार्थी ने की है।

100 मिलियन कैंपेन

100 मिलियन कैंपेन दुनिया भर के बच्चों का बचपन आजाद, खुशहाल, शिक्षित और सुरक्षित बनाने का विश्व का सबसे बड़ा आंदोलन है। इस आंदोलन का मकसद दुनिया में गरीबी, भुखमरी, गुलामी और हिंसा के शिकार 10 करोड़ बच्चों के लिए बेहतर जीवन जीने वाले 10 करोड़ बच्चों और युवाओं को तैयार करना है, जो उनकी आवाज बन सकें। उनके अधिकारों के लिए देश-दुनिया में आंदोलन कर सकें।

बदलाव संभव है - यह साथसाथ काम करने और अपनी मांगें मनवाने का वक्त है। तो आइए, हम इसकी शपथ लें और इस दिशा में सक्रिय हो जाएं।

हमसे जुड़ें- http://www.100million.org/act-now

info@satyarthi.org 011 – 47511111 satyarthi.org.in

लीडर
#DabungGirl

दबंग गर्ल एक भारतीय सुपरहीरो है जो सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता की दिशा में काम करती है।

निर्भय
#DabungGirl

@DabungGirl

+91-8287672077

reach@DabungGirl.com

बहादुर
#DabungGirl

वह बच्चों को अपने भीतर के नायक को महसूस करके समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है।

~~मज़बूत~~
#DabungGirl

/DabungGirl

आत्मविश्वासी
#DabungGirl

होशियार
#DabungGirl

~~नाज़ुक~~
#DabungGirl

@dabung.girl

दोस्तों की दोस्त
#DabungGirl

/c/DabungGirl

~~मतलबी~~
#DabungGirl

ज़िंदादिल
#DabungGirl

जिज्ञासु
#DabungGirl

वह बच्चों की कल्पना और आत्मविश्वास को पंख देती है।

DabungGirl.com

हमदर्द
#DabungGirl

This edition of Dabung Girl Comic Book was jointly developed by
Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. (DLIPL) and Kailash Satyarthi Children's Foundation (KSCF)